

बाबाजी थारी धुन,  
घणी मीठी लागे,  
धुन ऐसी मीठी लागे,  
बापजी प्रीत पुरबली जागे ॥

बाबे रे म्हे तो दौड़या-दौड़या आवां,  
आओ बाप जी का दर्शन कर ल्यां,  
सुतोड़ी किस्मत जागै,  
बाबाजी थारीं धुन,  
घणी मीठी लागे ॥

बाबा जी म्हाने दुनिया दे रही ताना,  
दुनिया री म्हाने फिकर तो कोनी,  
थे हो म्हारे सागै,  
बाबाजी थारीं धुन,  
घणी मीठी लागे ॥

बाबाजी अमर जोत जगै है थारी,  
अमर जोत रा दर्शन कर ल्यां,  
काल दूत जम भागै,  
बाबाजी थारीं धुन,  
घणी मीठी लागे ॥

बाबा जी हंसराज करे अरजोई,  
नंदू सोलंकी थारा भजन सुनावे,  
अमन सोलंकी है सागै,  
बाबाजी थारीं धुन,  
घणी मीठी लागे ॥

बाबाजी थारी धुन,  
घणी मीठी लागे,  
धुन ऐसी मीठी लागे,  
बापजी प्रीत पुरबली जागे ॥

गायक नन्दू सोलंकी ।  
9828281232  
लेखक हंसराज पंवार ।

Source: <https://www.bharattemples.com/babaji-thari-dhun-ghani-mithi-lage/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App  
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>